4 बब्बन बंदर

गब्बर शेर जंगल का राजा था। एक दिन उसने जंगल के सारे बच्चों को बुलाकर कहा ''आज से तुम सब स्कूल जाना शुरू करो। मैं देखूँगा कि कौन-सा बच्चा स्कूल नहीं जाता। रोज आनेवाले बच्चे को मैं इनाम दूँगा।''

स्कूल खुल गया और लल्ली लोमड़ी पढ़ाने लगी। हाथी, भालू, हिरण और बंदर के बच्चे पढ़ने आ पहुँचे। बच्चों को स्कूल बहुत अच्छा लगा। लल्ली लोमड़ी पढ़ाती हुई नाचती और गाती तो बच्चे भी नाचते और गाते। वह पढ़ाती तो बच्चे मन लगाकर पढ़ते।

बच्चे खुशी-खुशी स्कूल आते थे। लेकिन बन्दर के एक बच्चे, बब्बन को स्कूल आना अच्छा नहीं लगता था। वह तो बस जंगल में इधर-उधर घूमना चाहता था।

एक दिन लल्ली लोमड़ी के साथ सब बच्चे नाचते-गाते पढ़ रहे थे। तभी बब्बन चुपचाप स्कूल से भाग निकला। किसी ने उसको निकलते हुए नहीं देखा।

अब बब्बन जंगल में घूमने लगा। कभी वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूद जाता, तो कभी पेड़ की डाल पकड़कर झूलने लगता। लेकिन थोड़ी देर के बाद बब्बन की उछल-कूद रुक गयी। उसने गब्बर शेर की आवाज सुनी थी। मारे डर के वह छलांग भरकर एक बेल के पेड़ पर जा बैठा।

बब्बन पेड़ की डालियों के बीच छिप गया, लेकिन उसकी पूँछ नीचे लटक रही थी। बब्बर शेर ने उसे देख लिया। वह गरजकर बोला-

''बंदर के बच्चे,
अकल के कच्चे
नीचे उतर ।
मैं तुझे बताता हूँ,
स्कूल से भागा है,
अभी मजा चखाता हूँ।''
बोला बब्बन
शेर से डरते हुए,
बहाना करते हुए।
लोमड़ी का आदेश मान
बेल लेने आ गया।
भागा नहीं कहीं भी
फिर भी पकड़ा गया ।

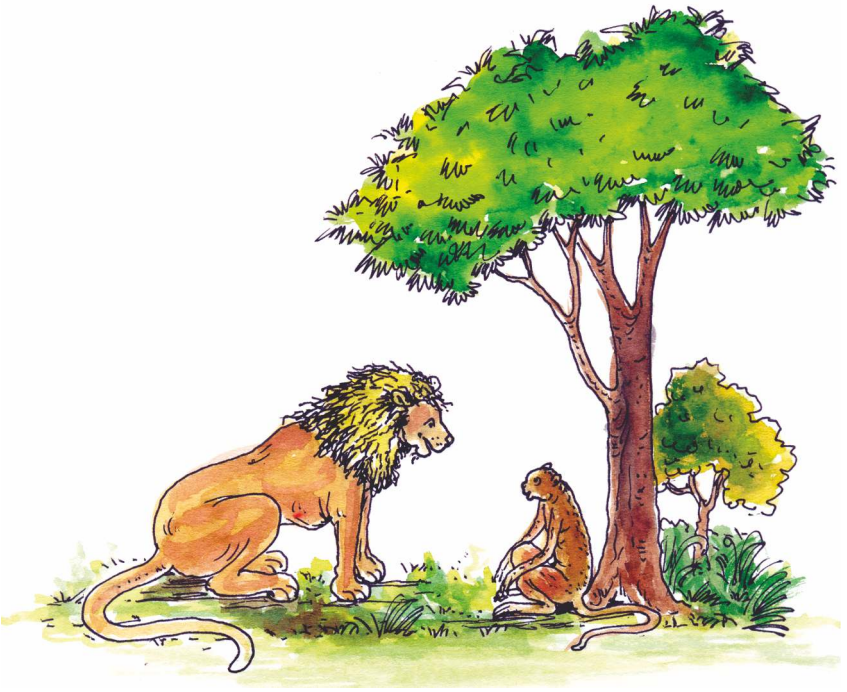

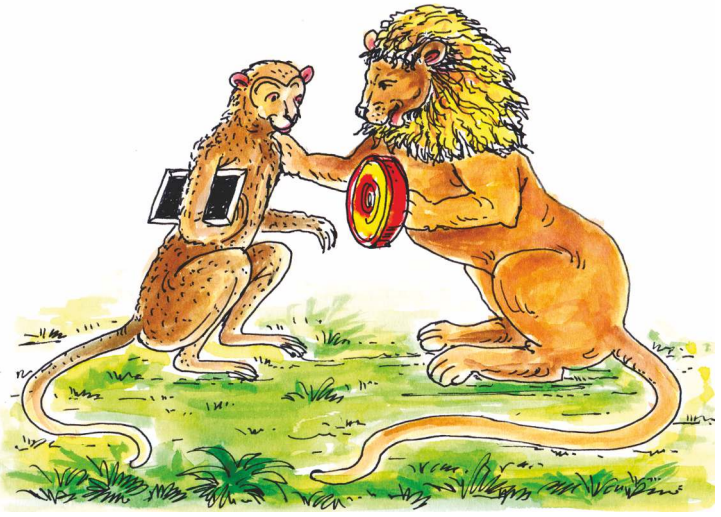

गब्बर शेर जोर से चिल्लाया, ''झूठा। लल्ली लोमड़ी कभी बेल नहीं खाती। तू स्कूल से भागा है। तू बहाना बना रहा है। सच बता क्या बात है?''

बब्बन डर से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब शेर उसे जरूर सजा देगा। लेकिन गब्बर शेर दयालु था। उसने प्यार से कहा, ''नीचे उतरो बच्चे। स्कूल से भागना ठीक नहीं।'' बब्बन डरता-डरता पेड़ से नीचे उतर आया। गब्बर शेर के सामने वह सिर झुकाये खड़ा रहा।

शेर ने कहा- ''बच्चे, स्कूल जाओ और पढ़ो। पढ़-लिखकर तुम समझदार बनोगे। फिर कभी ऐसे भागकर नहीं आना।''

बब्बन कूदता हुआ स्कूल की ओर गया। उस दिन के बाद वह ध्यान लगाकर पढ़ने लगा। थोड़े दिनों के बाद स्कूल की पढ़ाई में वह सबसे अच्छा माना जाने लगा। एक दिन गब्बर शेर ने उसे बुलाया और कहा, ''शाबाश बब्बन! तुम रोज विद्यालय आते हो। यह रहा तुम्हारा इनाम।''

और गब्बर शेर ने उसे एक डफली इनाम में दी।

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें-

(क) जंगल में कौन-कौन सी चीजें होती हैं?

.....

(ख) यदि आपको अवसर मिले तो आप जंगल देखना क्यों चाहेंगे?

.....

(ग) यदि आपका छोटा भाई या छोटी बहन विद्यालय नहीं जाना चाहे तो आप क्या करेंगे?

.....

2. पाठ से बताइए -

(क) जंगल का राजा कौन था?

.....

(ख) लल्ली बच्चों को कैसे पढ़ाती थी?

.....

(ग) बब्बन स्कूल से भागकर कहाँ गया?

.....

(घ) बब्बन ने शेर से क्या बहाना बनाया?

.....

(ङ) गब्बर शेर ने बब्बन को क्यों इनाम दिया ?

.....

3. पाठ के आधार पर सही वाक्य के सामने (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के सामने (x) चिह्न लगाइए –

(क) लल्ली लोमड़ी पढ़ाती हुई नाचती और गाती । ( )

(ख) बच्चों को स्कूल में पढ़ना बहुत अच्छा लगता । ( )

(ग) बब्बन को स्कूल से भागते हुए सबों ने देख लिया । ( )

(घ) शेर के डाँटने पर भी बब्बन को डर नहीं लगा । ( )

(ङ) शेर के समझाने के बाद बब्बन पुनः स्कूल गया । ( )

4. समान अर्थ वाले शब्दों को मिलाइए –

आदेश	बुद्धि
पेड़	पुरस्कार
पूँछ	आज्ञा
अकल	वृक्ष
इनाम	दुम

5. दिए गए शब्द के सामने उनके समान ध्वनि वाले शब्द लिखिए–

(क) राजा – ....

(ख) जाता – ....

(ग) खुल – ....

(घ) बेल – ....

6. नीचे दिए गए शब्दों के सामने उनके उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए –

राजा – .....

इनाम – .....

ऊपर – .....

सच्चा – .....

डरपोक – .....

7. आप कौन-कौन से फल एवं सब्जी के नाम जानते हैं? उनके नाम नीचे दिए गए खानों में लिखें -

फल	सब्जी

8. दोस्तों के साथ मिलकर आप विद्यालय में क्या-क्या करते हैं?

9. जानवर किसी काम को कैसे सीख पाते हैं? इसके बारे में अपने माता-पिता या अन्य लोगों से जानकारी प्राप्त कर लिखें ।

10. नियमित रूप से स्कूल जाने के बाद बब्बन को आगे और क्या-क्या लाभ हुआ होगा? कोई पाँच लाभ बताइए ।

11. कविता पढ़ें और उसे कहानी की तरह लिखें -

डाल पे उल्टे लटके बच्चे,
तोड़ रहे थे आम वे कच्चे।
लगा पेड़ पर था एक छत्ता,
गिरा टूटकर उस पर पत्ता।

उड़ी मक्खियाँ काली-काली,
डर गए बच्चे, छूटी डाली।
बच्चे नीचे गिरे धड़ाम,
रह गए लटके कच्चे आम।